>

Title: Need to establish a Kendriya Vidyalaya and a Jawahar Navodaya Vidyalaya in Chandauli district, Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): नक्सल प्रभावित चंदौली में बच्चों की पढ़ाई के लिये कोई उत्तम शिक्षा संस्थान नहीं है। चंदौली जनपद अंतर्गत मुगलसराय भी है जहाँ पर रेलवे के बहुत सारे कार्यालय एवम् फैक्ट्री है तथा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की भी फैक्ट्री है लेकिन वहां पर बच्चों को पढ़ने के लिए केवल एक ही केंद्रीय विद्यालय है जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा नहीं मिल पाती है जनपद नक्सल प्रभावित होने से शिक्षा की बहुत आवश्यकता है। अगर लोगों के बच्चे पढ़े लिखे होंगे तो नक्सल समस्या बहुत हद तक सुधरेगी तथा जनपद विकास के पायदान पर आगे दौड़ेगा। यहाँ पर ग्रामीण बच्चों को पढ़ने के लिए केवल एक ही जवाहर नवोदय विद्यालय है जिससे ग्रामीण बच्चों की पढ़ाई पूरी नहीं हो पाती। आबादी के बनिस्पत इसे बदले जाने की जरूरत है। चूंकि चंदौली नक्सल प्रभावित है, इसलिए गाँवों के यदि प्रतिभाशाली बच्चे, जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं तो नक्सली गतिविधियाँ को ये बच्चे पढ़ लिखकर दूर करेंगे तथा गुमराह युवकों को देश की मुख्य धारा में लाने का काम करेंगे तथा जनपद फिर से विकास की पटरी पर दौड़ने लगेगा। इसलिए मैं सरकार से माँग करता हूँ कि वे चंदौली जनपद में एक केंद्रीय विद्यालय एवम् एक जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना करे ताकि जनपद चंदौली नक्सलमुक्त् हो, गाँव के प्रतिभाशाली बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और वे पढ़ लिखकर गुमराह नक्सली युवकों को देश की मुख्य धारा में लाये, नक्सली समस्या दूर हो तथा जनपद फिर से विकास की पटरी पर दौड़ने लगे। नक्सली समस्या अशिक्षा एवम् विकास का असमान असंतुलन तो पैदा होती है अगर ये दोनों दूर होगी तो नक्सली समस्या अपने-आप दूर होगी। इसलिए इस बात को केंद्र सरकार को समझना चाहिए और वे यथाशीघ्र चंदौली जनपद में एक केंद्रीय विद्यालय एवम् एक जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना यथाशीघ्र करे ताकि जनपद चंदौली में निवासियों में एक उत्साह का माहौल पैदा हो और नक्सली समस्या दूर हो।